

Civil Services (Main) Examination, 2026

KVMS-D-MTLI

मैथिली

प्रश्न-पत्र-II

(साहित्य)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

(प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ)

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल आठ प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल पाँच प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या 1 तथा प्रश्न संख्या 5 अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ कोनो तीन प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कमसँ कम एक प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिली (देवनागरी लिपि)मे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी।

MAITHILI

PAPER-II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI (Devanagari script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि। काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) :

10×5=50

- (a) मानिनी, तुअ असह्य होइछ व्यापार,
उचित न आहत विजितहिँ करब प्रहार।
तुअ अघातहिँ मूर्च्छित अछि मम प्राण
अधर-अमिअ-रस-दानहिँ राखिअ एहि।
- (b) आनन चुम्बि पयोधर धएल।
सबहुँ सखि मिलि मङ्गल कएल॥
भन मनबोध हम अपन गेआन।
कहलन्हि बाल गोपालक धेआन॥
- (c) हमर वीणाध्वनि कने पहुँचैत जँ
सटल-पाँजर बोनिहारक कानमे।
सफल होइत तखन ई स्वर-साधना,
चिर-उपेक्षित जनक गौरव-गानमे।
- (d) कांचन-कमल पवन उलटाओल ऐसन वदन संचारि।
सरबस लय पलटलि पुन बीन्धल रंगिनि बंक निहारि॥
हरि-हरि! के देअ दारुन बाधा।
नयनक साध आध नहि पूरल, पलटि न हेरल राधा॥
- (e) हा रघुनाथ अनाथ जकाँ, दशकण्ठ-पुरी हम आइलि छी।
सिंहक त्रास महावनमे हरिणीक समान डराइलि छी॥
चन्द्र-चकोरि अहँक सदा, हम शोक-समुद्र समाइलि छी।
देवर-दोष कहू हम की, अपना अपराध सँ काइलि छी॥

2. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर लिखू :

- (a) “‘कृष्णजन्म’ एहन कृति सिद्ध भेल जे तत्कालीन साहित्य-जगतमे प्रचलित शृंगार-प्रधान संस्कृतनिष्ठ गीतधाराक विपरीत ठेठ भाषा-शैलीक आश्रय ग्रहण कएल” —सयुक्ति विश्लेषण करू। 20
- (b) “‘मिथिला भाषा रामायण’ महाकाव्य-जगतमे ज्ञान, कर्म ओ भक्तिक त्रिवेणीक संगम थिक।” सुन्दरकाण्डक आधार पर पल्लवित करू। 15
- (c) “‘आधुनिक कविता नव-नव भाव-बोधसँ सम्पृक्त एवं नव अभिव्यक्तिक सामर्थ्यसँ परिप्लावित परिलक्षित होइत अछि।’ ‘समकालीन मैथिली कविता’क आधार पर सयुक्ति विवेचन करू। 15

3. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर लिखू :

- (a) “महाकवि गोविन्द दास अपन कवितामे राधा-कृष्णक प्रेमलीला आ विरह-वर्णनक अद्भुत छटा छिटकौने छथि”
—सयुक्ति विश्लेषण करू। 20
- (b) “‘दत्त-वती’ महाकाव्यमे देश-प्रेम आ राष्ट्रीय अखंडता तथा मानवीय संवेदनाक व्यापक दिग्दर्शन भेल अछि।”
पाठ्यांशक आधार पर सयुक्ति प्रमाणित करू। 15
- (c) “वैद्यनाथ मिश्र ‘यात्री’ मानव जीवन, जगत ओ देशक महाकवि छथि” —विस्तृत विश्लेषण करू। 15

4. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर लिखू :

- (a) “‘विद्यापति गीतशती’ मे भावक कोमलता, पद-लालित्य, तुक-कौशल, स्वर-माधुर्य एवं बिम्बक चमत्कार उत्पन्न भेल अछि।” पाठ्यांशक आधार पर प्रमाणित करू। 20
- (b) “संस्कृत साहित्यशास्त्रहुक अनुसार महाकाव्यक अधिकांश लक्षण ‘कीचक-वध’ मे भेटि जाइत अछि।” प्रमाणित करू। 15
- (c) “लालदासक ‘रमेश्वरचरित मिथिला रामायण’ मे रागरागिणी, लोकोक्ति, छन्दक विविधताक विन्यासक संग वर्णन सरलता अछि।” पठित अंशक आधार पर विवेचन करू। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) :

10×5=50

- (a) एकेँ अपूर्व विश्वकर्माजें निर्ममउलियाक मुखक शोभा देषि पद्म जलप्रवेश कएल। आँखिक शोभा देषि हरिण वण गेल। केशक शोभा देषि चमरी पलायन कएल। दाँतक शोभा देषि तालिवें हृदय वीदीर्ण कएल। अधरक शोभा देषि प्रवाल द्विपान्तर गेल। काँनक शोभा देषि बौद्ध ध्यान स्थित भेल। कण्ठक शोभा देषि कम्बु समद्रप्रवेश कएल।
- (b) जखन हम भारी-भारी धोधिबला यजमानकेँ प्रसादक पातिल दूनू हाथें उठा कऽ अधपौआ शालग्राम पर चढ़बैत देखैत छिएन्ह वा गुलाबजामुन सन नर्मदेश्वर केँ पहिराबक हेतु पुरोहित केँ अपना बाँहिसँ नापि कय जनउ गेठियबैत देखइ छिएन्ह, तँ हुनका सभक बुद्धि पर दया आबि जाइत अछि।
- (c) जेठ छोटक बात अखनी जाय दे। पिरित जइसन परीकेँ भौजी नहि बनायब त’ की अप्पन माय बनायब? सुन चनरा जखनि हमहूँ कोनो छौंड़ीसँ सगाइ करब त’ तहूँ ओकरा भौजी बना लिहैं।
- (d) लोक जे किछु सोचैए से जँ होब’ लगै तँ ककरो मोनमे असन्तोष रहबै ने करतै, मुदा जे करबाक ओकरामे क्षमता रहै छै तकर तँ अवसर नै देल जाइ तँ ओ आगि जकाँ धधकि उठैए-धधकैत रहैए!
- (e) दुख कि दुःख सन भेल? अहाँकेँ सप्पत खाक कहै छी जे हम स्टेशन पर पड़ल की सभ सोचै छलहुँ। होइ छल जे एही तौनीकेँ फाड़िक दूटा कौपीन बना ली, आ चल जाइ... कतहुँ जाक बाबाजी भ जाइ। ...एहन स्त्रीसँ कोन माया-ममता?

6. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर लिखू :

- (a) “‘वर्णरत्नाकर’ मैथिलीक आदि गद्य-ग्रन्थ थिक जाहिमे मध्यकालीन मिथिलाक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक उत्कर्ष द्युतिमान भेल अछि।” पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू। 20
- (b) “‘मणिपद्म गाथा-रत्नकै औपन्यासिक स्वरूप प्रदान करबामे अपूर्व कला-कौशल एवं साहित्य-साधनाक परिचय देने छथि” —‘लोरिक विजय’क आधार पर पल्लवित करू। 15
- (c) “‘खट्टर ककाक तरंग’क मुख्य पात्र खट्टर कका मनुष्य एवं पदार्थक विलक्षण व्याख्या प्रस्तुत करैत अछि।” वर्णन करू। 15

7. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर लिखू :

- (a) ‘कृति राजकमल’क तात्त्विक विवेचनक संग-संग भाषा-शिल्पक महत्त्व पर प्रकाश दिअ। 20
- (b) “‘कथा-संग्रह’ आधुनिक समाज ओ संस्कृतिक सफल प्रतिनिधित्व करैत अछि।” सयुक्ति प्रतिपादन करू। 15
- (c) ‘भफाइट चाहक जिनगी’ मे नाटककार मानव-जीवनक समस्या, संघर्ष ओ परिस्थिति-परिवेशक यथार्थ चित्रण कएलनि अछि। समीक्षा करू। 15

8. निम्नलिखित सभ प्रश्नक उत्तर लिखू :

- (a) “‘पृथ्वीपुत्र’ मैथिलीमे एक उत्कृष्ट आँचलिक उपन्यास थिक” —सयुक्ति विवेचन करू। 20
- (b) “‘राजकमलक कथामे मिथिलाक आदर्श नारीक चरित्र एवं सांस्कृतिक वैभव उद्घाटित भेल अछि।” ‘कृति राजकमल’क आधार पर पल्लवित करू। 15
- (c) “‘मणिपद्म विरचित ‘लोरिक विजय’ लोकगाथाधृत ऐतिहासिक उपन्यास थिक।” प्रमाणित करू। 15

★ ★ ★